MAHD-06

December - Examination 2017

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) उपन्यास और कहानी में अन्तर संक्षिप्त में लिखिए।

(ii) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार इलाचन्द्र जोशी की किन्हीं दो औपन्यासिक कृतियों के नाम लिखिए।

(iii) प्रेमचन्द के उपन्यास 'कायाकल्प' का प्रतिपाद्य लिखिए।

(iv) 'समय सरगम' उपन्यास की मूल संवेदना क्या है?

(v) कहानी की परिभाषा लिखिए।

(vi) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं दो कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

(vii) 'दिव्या' और 'दादा कामरेड' कृतियों के उपन्यासकार का क्या नाम है?

(viii) राजेन्द्रयादव की 'टूटना' कहानी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) कथाकार कृष्णबलदेव वैद की कहानी लेखन की विशिष्टता का उल्लेख करते हुए 'मेरा दुश्मन' कहानी की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।

3) ''राजेन्द्र यादव की 'टूटना' कहानी स्त्री–पुरुष संबन्ध के टूटने बिखरने की कहानी है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।'

4) 'सचेतन कहानी' की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

5) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल ली। नवाबी जमाना था। सभी तलवार, पेशकब्ज, कटार वगैरह बाँधते थे। दोनो विलासी थे, पर कायर न थे। उनमें राजनीतिक भावों का अधःपतन हो गया था। बादशाह के लिए, बादशाहत के लिए क्यों मरेः पर व्यक्तिगत वीरता का अभाव न था। दोनों जख्म खा कर गिरे, और दोनों ने वही तड़प–तड़प कर जानें दे दीं। अपने बादशाह के लिए जिनकी आँखो से एक, बूँद आँसू न निकला। उन्हीं दोनों प्राणियों ने शतरंज के वजीर की रक्षा में प्राण दे दिए।''

6) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''तीसरे दिन दोपहर बाद बत्तीस डॉक्टरों की एक सभा का आयोजन किया गया था। कोठी के बड़े हाल में मेज–कुर्सियों के बत्तीस जोड़े अण्डाकार लगाऐ गए थे जैसे विशेषज्ञों की काफ्रेंसों की प्रणाली है। प्रत्येक मेज पर एक डॉक्टर का नाम लिखा था और मेज पर उस डॉक्टर के नाम और उपाधि सहित छपे हुए कागज मौजूद थे। सभी मेजों पर बहुत कीमती फाउन्टेनपेन और पेंसिल के सेट केसों में सजे हुए थे। कलमों, पेंसिलों और केसों पर भी खुदा हुआ था – 'महाराज मोहाना की ओर से भेंट।''

7) 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के 'शिल्प' पर अपने विचार लिखिए।

8) 'गोदान' उपन्यास के वैचारिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

9) आँचलिक उपन्यास पर टिप्पणी लिखिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए। शब्द–सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) हिन्दी के मनोविश्लेषणवादी उपन्यासों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए 'अज्ञेय' के योगदान को रेखांकित कीजिए।

11) कृष्णासोबती की औपन्यासिक दृष्टि स्पष्ट करते हुए 'समय–सरगम' उपन्यास के कथा और शिल्प विधान का वर्णन कीजिए।

12) ''जिन्दगी और जोंक'' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) जिन्दगी और गुलाब के फूल कहानी की पात्र–योजना।

(ii) जैनेन्द्र की कहानी कला।

(iii) नयी कहानी

(iv) स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियाँ

———